

लड़के का नाम सैंटियागो था। शाम ढल रही थी जब वह लड़का अपने झुंड के साथ एक वीरान चर्च में पहुँचा। छत बहुत पहले गिर चुकी थी, और जहाँ कभी पवित्र स्थान हुआ करता था, वहाँ एक विशाल गूलर का पेड़ उग आया था।

उसने वहीं रात बिताने का फैसला किया। उसने यह सुनिश्चित किया कि सभी भेड़ें उस टूटे हुए दरवाज़े से अंदर आएँ, और फिर उस पर कुछ तख्ते बिछा दिए ताकि झुंड रात में कहीं भटक न जाए। उस इलाके में भेड़िये तो नहीं थे, लेकिन एक बार एक जानवर रात में भटक गया था, और लड़के को अगला पूरा दिन उसे ढूँढ़ने में बिताना पड़ा था।

उसने अपनी जैकेट से ज़मीन साफ़ की और उस किताब को तकिये की तरह इस्तेमाल करते हुए लेट गया जो उसने अभी-अभी पढ़ी थी। उसने खुद से कहा कि उसे मोटी किताबें पढ़नी शुरू करनी होंगी: वे ज़्यादा देर तक चलती हैं और ज़्यादा आरामदायक तकिये भी बन जाती हैं।

जब वह जागा तो अभी भी अंधेरा था, और ऊपर देखने पर उसे आधी नष्ट हो चुकी छत के पार तारे दिखाई दे रहे थे।

मैं थोड़ी देर और सोना चाहता हूँ, उसने सोचा। उसने भी यही सपना देखा था। एक सप्ताह पहले की तरह ही रात थी, और एक बार फिर वह रात खत्म होने से पहले ही जाग गया था।

वह उठा और अपनी लाठी उठाकर उन भेड़ों को जगाने लगा जो अभी भी सो रही थीं। उसने देखा कि जैसे ही वह जागा, उसके अधिकांश जानवर भी हिलने-डुलने लगे। मानो किसी रहस्यमयी ऊर्जा ने उसके जीवन को उन भेड़ों के जीवन से बाँध दिया हो, जिनके साथ उसने पिछले दो साल बिताए थे, उन्हें भोजन और पानी की तलाश में देहातों में घुमाते हुए। "वे मेरे इतने आदी हो गए हैं कि वे मेरे कार्यक्रम से वाकिफ़ हैं," वह बुदबुदाया। एक पल के लिए इस बारे में सोचने पर, उसे एहसास हुआ कि यह उल्टा भी हो सकता है: कि वह ही उनके कार्यक्रम का आदी हो गया है।

लेकिन कुछ भेड़ें ऐसी भी थीं जिन्हें जागने में थोड़ा ज़्यादा समय लगा। लड़का अपनी लाठी से उन्हें एक-एक करके उकसाता और हर एक का नाम पुकारता। उसे हमेशा से यकीन था कि भेड़ें उसकी बात समझ लेती हैं। इसलिए कई बार वह उन्हें अपनी किताबों के कुछ हिस्से पढ़कर सुनाता था जिनका उस पर गहरा असर हुआ था, या फिर वह उन्हें खेतों में चरवाहे के अकेलेपन या खुशी के बारे में बताता था। कभी-कभी वह उन्हें उन चीज़ों के बारे में बताता था जो उसने उन गाँवों में देखी थीं जहाँ से वे गुज़रते थे।

लेकिन पिछले कुछ दिनों से वह उनसे बस एक ही बात कर रहा था: उस लड़की के बारे में, जो उस गाँव में रहने वाले एक व्यापारी की बेटी थी जहाँ वे लगभग चार दिनों में पहुँचने वाले थे। वह उस गाँव में सिर्फ़ एक बार गया था, पिछले साल। व्यापारी एक सूखी चीज़ों की दुकान का मालिक था, और वह हमेशा यही माँग करता था कि भेड़ों के बाल उसकी मौजूदगी में ही काटे जाएँ, ताकि उसके साथ धोखा न हो। एक दोस्त ने लड़के को उस दुकान के बारे में बताया था, और वह अपनी भेड़ें वहाँ ले गया था।



लड़के ने व्यापारी से कहा, "मुझे कुछ ऊन बेचना है।"

दुकान में बहुत भीड़ थी, इसलिए उस आदमी ने चरवाहे से दोपहर तक इंतज़ार करने को कहा। लड़का दुकान की सीढ़ियों पर बैठ गया और अपने बैग से एक किताब निकाली।

"मुझे नहीं पता था कि चरवाहे पढ़ना जानते हैं," उसके पीछे से एक लड़की की आवाज़ आई।

वह लड़की अंडालूसिया क्षेत्र की विशिष्ट थी, उसके बाल काले थे, और आँखें धुंधली-सी मूरिश विजेताओं की याद दिलाती थीं।



"खैर, आमतौर पर मैं किताबों से ज़्यादा अपनी भेड़ों से सीखता हूँ," उसने जवाब दिया।

दो घंटे तक बातचीत के दौरान उसने उसे बताया कि वह व्यापारी की बेटी है, और गांव के जीवन के बारे में बताया, जहाँ हर दिन अन्य दिनों की तरह ही था।

चरवाहे ने उसे अंडालूसी के ग्रामीण इलाकों के बारे में बताया और उन दूसरे कस्बों की खबरें भी सुनाई जहाँ वह रुका था। अपनी भेड़ों से बात करने की तुलना में यह एक सुखद बदलाव था।

एक बार लड़की ने पूछा, "तुमने पढ़ना कैसे सीखा?"

"जैसे सब सीखते हैं," उन्होंने कहा। "स्कूल में।"

“अच्छा, अगर तुम पढ़ना जानते हो, तो तुम सिर्फ एक चरवाहे क्यों हो?”

लड़के ने बुदबुदाते हुए ऐसा जवाब दिया जिससे वह उसके सवाल का जवाब देने से बच गया। उसे यकीन था कि लड़की कभी नहीं समझेगी। वह अपनी यात्राओं के किस्से सुनाता रहा, और उसकी चमकदार, मूरिश आँखें डर और आश्चर्य से चौड़ी हो गईं। जैसे-जैसे समय बीतता गया, लड़के ने मन ही मन सोचा कि काश यह दिन कभी खत्म ही न हो, काश उसके पिता व्यस्त रहें और उसे तीन दिन तक इंतज़ार करवाते रहें।

उसे एहसास हुआ कि वह कुछ ऐसा महसूस कर रहा था जो उसने पहले कभी नहीं किया था: हमेशा के लिए एक ही जगह रहने की चाहत। काले बालों वाली उस लड़की के साथ, उसके दिन अब पहले जैसे नहीं रहेंगे।

लेकिन अंततः व्यापारी प्रकट हुआ और उसने लड़के से चार भेड़ों का ऊन कतरने को कहा। उसने ऊन के लिए भुगतान किया और चरवाहे से अगले वर्ष फिर आने को कहा।



और अब सिर्फ चार दिन बाकी थे जब उसे उसी गाँव में वापस लौटना था। वह उत्साहित था, और साथ ही बेचैन भी: शायद लड़की उसे भूल ही गई हो। बहुत सारे चरवाहे अपनी ऊन बेचते हुए वहाँ से गुज़र रहे थे।

"कोई बात नहीं," उसने अपनी भेड़ों से कहा। "मैं दूसरी जगहों पर और भी लड़कियों को जानता हूँ।"

लेकिन अपने दिल में वह जानता था कि यह मायने रखता है। और वह जानता था कि चरवाहों को, नाविकों और घुमंतू सेल्समैनों की तरह, हमेशा एक ऐसा शहर मिल जाता है जहाँ कोई न कोई ऐसा होता है जो उन्हें बेफ़िक्र घूमने की खुशियाँ भुला सकता है।

दिन चढ़ रहा था, और चरवाहा अपनी भेड़ों को सूरज की दिशा में चलने के लिए प्रेरित कर रहा था। उसने सोचा, उन्हें कभी कोई फैसला नहीं लेना पड़ता। शायद इसीलिए वे हमेशा मेरे आस-पास ही रहती हैं।

भेड़ों को सिर्फ खाने और पानी की चिंता थी। जब तक लड़का अंडालूसिया में सबसे अच्छे चरागाह ढूँढ़ना जानता रहेगा, वे उसकी दोस्त रहेंगी।

हाँ, उनके दिन एक जैसे थे, सूर्योदय और संध्या के बीच अंतहीन घंटे लगते थे; और उन्होंने अपनी युवावस्था में कभी कोई किताब नहीं पढ़ी थी, और जब लड़का उन्हें शहरों के नज़ारों के बारे में बताता था, तो उन्हें समझ नहीं आता था। वे सिर्फ खाने-पीने से संतुष्ट थे, और बदले में, वे उदारता से अपना ऊन, अपना साथ, और—कभी-कभी—अपना मांस भी देते थे।

लड़के ने सोचा, अगर मैं आज राक्षस बन जाऊँ और उन्हें एक-एक करके मारने का फैसला कर लूँ, तो उन्हें तब ही पता चलेगा जब झुंड का ज़्यादातर हिस्सा मारा जा चुका होगा। वे मुझ पर भरोसा करते हैं, और अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करना भूल गए हैं, क्योंकि मैं उन्हें पोषण की ओर ले जाता हूँ।

लड़का अपने विचारों पर हैरान था। हो सकता है कि चर्च, जिसके अंदर गूलर का पेड़ उग रहा था, भूत-प्रेत से ग्रस्त रहा हो। इसी वजह से उसके साथ भी ऐसा ही हुआ होगा।

दूसरी बार सपना देख रहा था, और इससे उसे अपने वफ़ादार साथियों पर गुस्सा आ रहा था। उसने पिछली रात के खाने से बची हुई थोड़ी सी शराब पी, और अपनी जैकेट को अपने बदन से और सटा लिया। वह जानता था कि अब से कुछ घंटों बाद, जब सूरज अपने चरम पर होगा, गर्मी इतनी ज़्यादा होगी कि वह अपने झुंड को खेतों में नहीं ले जा पाएगा। यह दिन का वह समय था जब पूरा स्पेन गर्मियों में सोता था। गर्मी रात होने तक रहती थी, और उस पूरे समय उसे अपनी जैकेट ढोनी पड़ती थी। लेकिन जब उसने जैकेट के वज़न के बारे में शिकायत करने की सोची, तो उसे याद आया कि जैकेट की वजह से ही उसने भोर की ठंड झेली थी।

उन्होंने सोचा, हमें बदलाव के लिए तैयार रहना होगा, और वे इसके लिए आभारी थे।
जैकेट का वजन और गर्मी।

जैकेट का एक उद्देश्य था, और लड़के का भी। जीवन में उसका उद्देश्य यात्रा करना था, और दो साल अंडालूसी इलाकों में घूमने के बाद, वह उस क्षेत्र के सभी शहरों को जान गया था। इस यात्रा में, वह लड़की को यह समझाने की योजना बना रहा था कि एक साधारण चरवाहा कैसे पढ़ना जानता है। कि उसने सोलह साल की उम्र तक एक मदरसे में पढ़ाई की थी। उसके माता-पिता चाहते थे कि वह एक पादरी बने, और इस तरह एक साधारण किसान परिवार के लिए गर्व का विषय बने। वे भेड़ों की तरह, सिर्फ भोजन और पानी के लिए कड़ी मेहनत करते थे। उसने लैटिन, स्पेनिश और धर्मशास्त्र का अध्ययन किया था। लेकिन बचपन से ही, वह दुनिया को जानना चाहता था, और यह उसके लिए ईश्वर को जानने और मनुष्य के पापों के बारे में जानने से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण था। एक दोपहर, अपने परिवार से मिलने के दौरान, उसने हिम्मत जुटाकर अपने पिता से कहा कि वह पादरी नहीं बनना चाहता। कि वह यात्रा करना चाहता है।



"दुनिया भर से लोग इस गाँव से गुज़रे हैं, बेटा," उसके पिता ने कहा। "वे नई चीज़ों की तलाश में आते हैं, लेकिन जब वे जाते हैं तो मूलतः वही लोग होते हैं जो वे आए थे। वे महल देखने के लिए पहाड़ पर चढ़ते हैं, और अंत में सोचते हैं कि अतीत आज की तुलना में बेहतर था। उनके बाल सुनहरे होते हैं, या त्वचा काली होती है, लेकिन मूलतः वे यहाँ रहने वाले लोगों जैसे ही होते हैं।"

"लेकिन मैं उन शहरों में महल देखना चाहता हूँ जहाँ वे रहते हैं," लड़के ने समझाया।

उनके पिता ने आगे कहा, "जब वे लोग हमारी ज़मीन देखते हैं, तो कहते हैं कि वे हमेशा के लिए यहीं रहना चाहेंगे।"

उनके बेटे ने कहा, "मैं उनकी ज़मीन देखना चाहता हूँ और यह भी देखना चाहता हूँ कि वे कैसे रहते हैं।"

"यहाँ आने वाले लोगों के पास खर्च करने के लिए बहुत पैसा है, इसलिए वे इसे वहन कर सकते हैं"

उसके पिता ने कहा, "यात्रा करने के लिए। हम में से, केवल चरवाहे ही यात्रा करते हैं।"

"ठीक है, तो मैं चरवाहा बनूँगा!"

उसके पिता ने कुछ और नहीं कहा। अगले दिन, उन्होंने अपने बेटे को एक थैली दी जिसमें तीन प्राचीन स्पेनिश सोने के सिक्के थे।

"ये मुझे एक दिन खेतों में मिले। मैं चाहता था कि ये तुम्हारी विरासत का हिस्सा बनें। लेकिन इनसे अपना झुंड खरीद लेना। खेतों में जाओ, और एक दिन तुम्हें पता चलेगा कि हमारा देहात सबसे अच्छा है, और हमारी औरतें सबसे खूबसूरत हैं।"



और उसने लड़के को आशीर्वाद दिया। लड़का अपने पिता की आँखों में दुनिया घूमने की चाहत देख सकता था—एक ऐसी चाहत जो अभी भी ज़िंदा थी, हालाँकि उसके पिता को उसे पीने के लिए पानी, खाने के लिए खाना और ज़िंदगी भर हर रात सोने के लिए एक ही जगह पाने की जद्दोजहद के बोझ तले दर्जनों साल दफ़न करने पड़े थे।



क्षितिज लाल रंग से रंगा हुआ था, और अचानक सूरज निकल आया। लड़के को अपने पिता के साथ हुई उस बातचीत की याद आई और वह खुश हुआ; उसने पहले ही कई महल देखे थे और कई औरतों से मुलाकात की थी (लेकिन किसी से भी वह बराबरी की नहीं थी जो कई दिनों बाद उसका इंतज़ार कर रही थी)। उसके पास एक जैकेट, एक किताब थी जिसे वह किसी और किताब के बदले में बदल सकता था, और भेड़ों का एक झुंड। लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण बात, वह हर दिन अपने सपने को जी पा रहा था। अगर वह अंडालूसी के खेतों से थक जाता, तो अपनी भेड़ें बेचकर समुद्र में जा सकता था। जब तक वह समुद्र से ऊब जाता, तब तक वह दूसरे शहरों, दूसरी औरतों और खुश रहने के दूसरे मौकों को जान चुका होता। सूर्योदय को देखते हुए उसने सोचा, "मैं सेमिनरी में ईश्वर को नहीं पा सकता।"

जब भी मौका मिलता, वह यात्रा करने के लिए कोई नया रास्ता खोज लेता। वह पहले कभी नहीं गया था

उस खंडहर चर्च को पहले भी देखा है, हालाँकि वह उन इलाकों से कई बार गुज़र चुका है। दुनिया बहुत बड़ी और अनंत थी; उसे बस अपनी भेड़ों को थोड़ी देर के लिए रास्ता तय करने देना था, और वह दूसरी दिलचस्प चीज़ें खोज लेता। समस्या यह है कि उन्हें एहसास ही नहीं होता कि वे हर दिन एक नई राह पर चल रहे हैं। वे यह नहीं देखते कि खेत नए हैं और मौसम बदलते हैं। वे बस खाने-पीने के बारे में सोचते रहते हैं।

शायद हम सब ऐसे ही हैं, लड़के ने सोचा। मैं भी नहीं—जब से मैं व्यापारी की बेटी से मिला हूँ, मैंने दूसरी औरतों के बारे में सोचा ही नहीं। सूरज की ओर देखते हुए, उसने अंदाज़ा लगाया कि वह दोपहर से पहले तारिफ़ा पहुँच जाएगा। वहाँ, वह अपनी किताब बदलकर एक मोटी किताब ले सकता था, अपनी शराब की बोतल भर सकता था, दाढ़ी बना सकता था और बाल कटवा सकता था; उसे उस लड़की से मिलने के लिए खुद को तैयार करना था, और वह इस संभावना के बारे में सोचना भी नहीं चाहता था कि कोई और चरवाहा, भेड़ों के एक बड़े झुंड के साथ, उससे पहले वहाँ पहुँच गया हो और उसका हाथ माँग रहा हो।

"सपने के सच होने की संभावना ही ज़िंदगी को दिलचस्प बनाती है," उसने सोचा, जैसे ही उसने फिर से सूरज की स्थिति को देखा और अपनी चाल तेज़ कर दी। उसे अचानक याद आया कि तारिफ़ा में एक बुढ़िया रहती थी जो सपनों की व्याख्या करती थी।



बुढ़िया लड़के को अपने घर के पीछे वाले कमरे में ले गई; वह कमरे रंगीन मोतियों के एक पर्दे से उसके बैठक कक्ष से अलग था। कमरे में एक मेज़, ईसा मसीह के पवित्र हृदय की एक मूर्ति और दो कुर्सियाँ थीं।

वह स्त्री बैठ गई और उसे भी बैठने को कहा। फिर उसने उसके दोनों हाथ अपने हाथों में ले लिए और धीरे से प्रार्थना करने लगी।

यह किसी जिप्सी प्रार्थना जैसा लग रहा था। लड़के को जिप्सियों के साथ यात्रा करने का पहले से ही अनुभव था; वे भी यात्रा करते थे, लेकिन उनके पास भेड़ों का कोई झुंड नहीं था। लोग कहते थे कि जिप्सी अपना जीवन दूसरों को बरगलाकर बिताते थे। यह भी कहा जाता था कि उनका शैतान के साथ समझौता था, और वे बच्चों का अपहरण करके उन्हें अपने रहस्यमयी शिविरों में ले जाकर अपना गुलाम बना लेते थे। बचपन में, लड़का हमेशा इस डर से डरा रहता था कि कहीं जिप्सी उसे पकड़ न लें, और बचपन का यह डर तब फिर से लौट आया जब बुढ़िया ने उसका हाथ अपने हाथों में लिया।

लेकिन उसके पास तो यीशु का पवित्र हृदय है, उसने सोचा, खुद को आश्वस्त करने की कोशिश करते हुए। वह नहीं चाहता था कि उसका हाथ काँपने लगे, जिससे बुढ़िया को पता चले कि वह डर गया है। उसने मन ही मन "हे पिता हमारे" का पाठ किया।

"बहुत दिलचस्प है," महिला ने लड़के के हाथों से अपनी नज़रें हटाये बिना कहा, और फिर वह चुप हो गई।

लड़का घबरा रहा था। उसके हाथ काँपने लगे, और महिला को इसका एहसास हो गया। उसने जल्दी से अपने हाथ हटा लिए।

"मैं यहाँ अपनी हथेली पढ़वाने नहीं आया हूँ," उसने कहा, उसे आने का पछतावा हो रहा था। उसने एक पल के लिए सोचा कि बेहतर होगा कि उसकी फीस चुका दूँ और बिना कुछ सीखे ही चला जाऊँ, क्योंकि वह अपने बार-बार आने वाले सपने को बहुत ज़्यादा महत्व दे रहा था।

"तुम इसलिए आये हो ताकि अपने सपनों के बारे में जान सको," बूढ़ी औरत ने कहा।

"और सपने ईश्वर की भाषा हैं। जब वह हमारी भाषा में बोलते हैं, तो मैं उनकी कही हुई बातों का अर्थ समझ सकता हूँ। लेकिन अगर वह आत्मा की भाषा में बोलते हैं, तो सिर्फ आप ही समझ सकते हैं। लेकिन, जो भी हो, मैं आपसे परामर्श के लिए शुल्क लूँगा।"

लड़के ने सोचा, यह तो कोई और चाल है। लेकिन उसने एक मौका लेने का फैसला किया। एक चरवाहा हमेशा भेड़ियों और सूखे से निपटने के लिए अपनी किस्मत आजमाता है, और यही बात एक चरवाहे के जीवन को रोमांचक बनाती है।

"मुझे एक ही सपना दो बार आया है," उसने कहा। "मैंने सपना देखा कि मैं अपनी भेड़ों के साथ एक खेत में था, तभी एक बच्चा प्रकट हुआ और जानवरों के साथ खेलने लगा। मुझे लोगों का ऐसा करना पसंद नहीं, क्योंकि भेड़ें अजनबियों से डरती हैं। लेकिन बच्चे हमेशा उन्हें डराए बिना उनके साथ खेलते नज़र आते हैं। मुझे नहीं पता क्यों। मुझे नहीं पता कि जानवर इंसानों की उम्र कैसे जानते हैं।"

"मुझे अपने सपने के बारे में और बताओ," महिला ने कहा। "मुझे खाना बनाने वापस जाना है, और चूँकि तुम्हारे पास ज़्यादा पैसे नहीं हैं, इसलिए मैं तुम्हें ज़्यादा समय नहीं दे पाऊँगी।"

"बच्चा काफ़ी देर तक मेरी भेड़ों के साथ खेलता रहा," लड़के ने थोड़ा परेशान होकर कहा। "और अचानक, बच्चे ने मुझे दोनों हाथों से पकड़कर मिस्र के पिरामिडों में पहुँचा दिया।"



वह एक क्षण के लिए रुका, यह देखने के लिए कि क्या वह महिला जानती है कि मिस्री क्या कह रहे हैं। पिरामिड थे। लेकिन उसने कुछ नहीं कहा।

"फिर, मिस्र के पिरामिडों पर,"—उसने आखिरी तीन शब्द धीरे से कहे, ताकि बूढ़ी औरत समझ जाए—"बच्ची ने मुझसे कहा, 'अगर तुम यहाँ आओगी, तो तुम्हें एक छिपा हुआ खज़ाना मिलेगा।' और, जैसे ही वह मुझे सही जगह दिखाने वाली थी, मैं जाग गया। दोनों बार।"